सेमेस्टर-4

भारतीय काव्यशास्त्र
(BAHHCC08)

इकाई- 1

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ तक)

2. काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन

इकाई- 2

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद

4. शब्द शक्तियां

5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

इकाई- 3

6. अलंकार

शब्दालंकार: अनुप्रास,यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

अर्थालंकार: उपमा, रूपक, अपहुनती, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति

7. छंद

(क) समवर्णिक- भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दुलविक्रीडित, सवैया(भेद सहित), घनाक्षरी

(ख) सममात्रिक- उल्लाला, चौपाई, रोला, हरिगीतिका

(ग) अर्द्ध-सममात्रिक- बरवै, दोहा, सोरठा

(घ) विषम सममात्रिक- कुंडलिया, छप्पय

इकाई- 4

8. काव्य रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक, श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चंपू, प्रबन्ध एवं मुक्तक

हिंदी कविता (छायावाद के बाद)
(BAHHCC09)

इकाई- 1
(क) अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, साम्राज्ञी का नैवैद्य-दान, साँप।
स्रोत ;- चुनी हुई कविताएं, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

(ख) नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, गुलाबी चूड़ियां
स्रोतः- प्रतिनिधि कविताएं, नागार्जुन : सम्पादक नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

इकाई- 2
(क) रघुवीर सहाय : अधिनायक, रामदास, स्वाधीन व्यक्ति।
स्रोत :- रघुवीर सहाय रचनावली, खण्ड-1, संपा सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

(ख) दुष्यंत कुमार : कहां तो तय था, हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, वह आदमी नहीं है, बाढ़ की संभावनाएं।
स्रोतः- साए में धूप, दुष्यंत कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।

इकाई- 3
(क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में।
स्रोतः- यहां से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
पानी की प्रार्थना, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर। स्रोतः- तालस्तोय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

इकाई- 4
1. भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फरोश, झुर्रियों से भारत हुआ

2. राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं, आदतों के बारे में

3. अरुण कमल : नये इलाके में, धार

हिंदी उपन्यास
(BAHHCC10)

इकाई- 1
1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास,
प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान (श्रीनिवासदास, प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, जैनेंद्र, यशपाल, अज्ञेय, श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा)

इकाई- 2
2. प्रेमचंद - कर्मभूमि

इकाई- 3
3. भगवतीचरण वर्मा - चित्रलेखा

इकाई- 4
4. मन्नू भंडारी - आपका बंटी

सेमेस्टर - 6

हिंदी आलोचना
(BAHHCC13)

इकाई- 1
हिंदी आलोचना का विकास : भारतेन्दु युग से द्विवेदी युग तक

इकाई- 2
छायावादयुगीन आलोचना : पाठ आधारित

रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था,
प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य
प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद
हजारी प्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएं

इकाई- 3
नई कविता के युग की आलोचना : पाठ आधारित
रामविलास शर्मा : तुलवी साहित्य में सामन्त-विरोधी मूल्य,
अज्ञेय : दूसरा सप्तक की भूमिका
मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष
विजयदेव नारायण साही: शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट

इकाई- 4
नव लेखन के युग की आलोचना (कथा आलोचना) : पाठ आधारित
नामवर सिंह - नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
सुरेंद्र चौधरी - कहानी की पाठ-प्रक्रिया : कथा के स्तरों का प्रश्न,
नेमिचन्द्र जैन - सन्दर्भ की खोज,
निर्मल वर्मा- रेणु : समग्र मानवीय दृष्टि

हिंदी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएं
(BAHHCC14)

इकाई- 1 निबन्ध
बालकृष्ण भट्ट - जातियों का अनूठापन (National charter) (भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊँट (राजकमल प्रकाशन, 1988)

सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

रामचन्द्र शुक्ल- अतीत की स्मृति

इकाई- 2 निबन्ध

हजारी प्रसाद द्विवेदी - भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

विद्यानिवास मिश्र - तुम चंदन हम पानी

हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन

महादेवी वर्मा - हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ

इकाई- 3 जीवनी/आत्मकथा
पांडे बेचन शर्मा 'उग्र' - अपनी खबर, आत्माराम एंड संस

रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग 1 से 'नए संघर्ष'

इकाई - 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृतांत
संस्मरण : अज्ञेय के साथ - आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से
रेखाचित्र : सुभान खां - रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से
यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन - अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

Discipline Specific Elective - (DSE)

अवधारणात्मक साहित्यिक पद
(BAHHDSEC11)

इकाई- 1
शब्द-शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
अलंकार की अवधारणा, शब्दालंकार और अर्थालंकार
छंद की अवधारणा, मात्रिक और वर्णिक

इकाई- 2
रस और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य नाटक

इकाई- 3
शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद

इकाई- 4
विरेचन, त्रासदी, कल्पना, बिंब, प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकता, निबंध, कहानी, उपन्यास

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
(BAHHDSE02)

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी
(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अंबेडकर
(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता
(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन
जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई - 2 विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम (2) हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या : 158 - 167 (3) बृजमोहन - क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या 44 - 57 (4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

इकाई - 3 विमर्शमूलक कविता :
(क) दलित कविता : हीरा डोम (अछूत की शिकायत), (2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण), (3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा), (4) असंगघोष (मैं ढूंगा माकूल जवाब)

(ख) स्त्री कविता : (1) अनामिका (स्त्रियाँ), (2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो), (3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चंपा) (4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूं)

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :
1 प्रभा खेतान, पृष्ठ संख्या 28 - 42 : अन्या से अनन्या तक
2 तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3 महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न'
4 शिवराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहां एक मोची रहता था)

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत
(BAHHDSEC03)

इकाई - 1
नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्य तत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंत:सम्बन्ध, दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

इकाई - 2
रंगकर्म: नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस सिद्धांत एवं अरस्तु के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई - 3
पश्चिमी नाट्यभेद - त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय), नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तु के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई - 4
प्राचीन भारतीय नाट्यरूप- रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप- एकांकी, काव्य-नाटक, रेडियो-नाटक, नुक्कड़-नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन
(BAHHDSEC09)

इकाई - 1

- वाल्मीकि - 'सप्तपर्णा'; राम काव्य का जन्म ; पृष्ठ 115 - 119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद

- कालिदास - 'उत्तरमेघ' ; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएं ; पृष्ठ 345 - 349 ; छंद संख्या 22 से 27, 37, 47; भगवतशरण उपाध्याय/नागार्जुन कृत अनुवाद

- गाथा सप्तशती ; डॉ. हरिराम आचार्य ; प्राकृत भारती अकैडमी, जयपुर;
प्रथम शतक ; श्लोक संख्या 4, 6, 33, 45, 49, 58, 77;
षष्ठ शतक श्लोक संख्या 30, 35, 38

इकाई - 2

(क) नामदेव - साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएं
मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना - साहित्य अकादमी

(ख) ललद्यत - भाषा, साहित्य और संस्कृति - विमलेश कांति वर्मा

कश्मीरी साहित्य का इतिहास; पृष्ठ 30-44 ; शशि शेखर तोशखानी ; जे एन्ड के अकादमी ऑफ़ आर्ट कल्चर एन्ड लैंग्वेज ; नहर मार्ग, जम्मू ; प्रथम संस्करण 1985 ;

- **मुझ पर वे चाहे हंसे……**
- **गुरु ने मुझसे कहा…….**
- **हम ही थे…….**
- **पिया को खोजने……**
- **देव फिर पूजा कैसी…….**
- **यह देवता भी पत्थर ही है…..**
- **मैं सीधे पथ से ही आयी…….**

इकाई - 3

(क) रवींद्रनाथ टैगोर गीतांजलि के कुछ अंश साहित्य के 'रवींद्र रचना संचयन' से ; साहित्य अकादमी ; प्रकाशन वर्ष 1987 ; भारत तीर्थ, धूली मंदिर ; पृष्ठ 131-135

(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएं ; साहित्य अकादमी ; संस्करण 1983; 'स्वतंत्रता का गान' पृष्ठ 46-47

(ग) वल्लतोल की कविताएं ; साहित्य अकादमी 1959; 'क्षमा प्रार्थना' ; पृष्ठ 82, 83, 84

इकाई - 4

(क) उपन्यास - अंश :शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' ; संस्करण 39 ; वर्ष 2012 ; भारतीय ज्ञानपीठ ; प्रथम खंड (कर्ण) ; पृष्ठ 19 - 117

(ख) जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्नि कुंड में खिला गुलाब' ; पृष्ठ 95 - 107

(ग) नाटक : हयवदन ; गिरीश कर्नाड; राधाकृष्ण प्रकाशन ; संस्करण 1977 ; पृष्ठ 17-73

(घ) कहानी : तकषी शिवशंकर पिल्लै - खून का रिश्ता (मलयालम कहानियां)
भारतीय शेखर कथा, संपादक- कमलेश्वर